

18 फरवरी 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

1. क्या रूस एक नए उपग्रह-रोधी हथियार का परीक्षण कर रहा है?

स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र

1. भारत में लगभग 50% गर्भधारण उच्च जोखिम वाले होते हैं

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण

1. एक अलग हरित छटा: तमिलनाडु की नवीकरणीय ऊर्जा पहल

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

E. संपादकीय:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. गुलज़ार और संस्कृत विद्वान रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार
2. INSAT-3DS मौसम उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया

3. सरकार ने FCI की अधिकृत पूंजी दोगुनी से अधिक बढ़ाकर ₹21,000 करोड़ कर दी

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

क्या रूस एक नए उपग्रह-रोधी हथियार का परीक्षण कर रहा है?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

उपग्रह-रोधी हथियार, बाह्य अंतरिक्ष संधि, परमाणु हथियार

विषय: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।

मुख्य परीक्षा: बदलती शक्ति गतिशीलता; अमेरिका, रूस और भारत; परमाणु हथियार और वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा।

प्रसंग:

- अमेरिकी अधिकारियों के हालिया बयानों ने कथित रूसी अंतरिक्ष-आधारित उपग्रह-रोधी हथियार के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं। कथित तौर पर परमाणु-संचालित यह हथियार बाह्य अंतरिक्ष संधि का उल्लंघन करता है और वैश्विक उपग्रह बुनियादी ढांचे के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है।

हम क्या जानते हैं:

- अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने रूसी अंतरिक्ष-आधारित उपग्रह-रोधी हथियार के अस्तित्व की पुष्टि की है, हालांकि अभी तक इस हथियार को तैनात नहीं किया गया है।
- रिपोर्टों से पता चलता है कि हथियार परमाणु प्रकृति का हो सकता है, जो संधि के उल्लंघन और संभावित परिणामों के बारे में अतिरिक्त चिंताएं पैदा करता है।

उपग्रह-रोधी हथियार (ASAT):

- ASAT हथियारों का उद्देश्य बाह्य अंतरिक्ष संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए परिचालन उपग्रहों को अक्षम या नष्ट करना है।
- अमेरिका और पूर्व सोवियत संघ दोनों ने ऐतिहासिक रूप से ASAT क्षमताएं विकसित की हैं, जो मुख्य रूप से गतिज प्रकृति की हैं।

अंतरिक्ष-आधारित परमाणु हथियार:

- स्टारफ़िश प्राइम जैसे ऐतिहासिक परीक्षण, अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों के विस्फोट के संभावित प्रभाव को प्रदर्शित करते हैं।
- चिंताओं में विद्युत चुम्बकीय पल्स (EMP) प्रभाव, विकिरण निर्मुक्त होना, और अंतरिक्ष मलबे का उत्पादन, वैश्विक उपग्रह बुनियादी ढांचे को खतरा और संधि समझौतों का उल्लंघन शामिल है।

अमेरिकी दावों के निहितार्थ:

- कथित रूसी परमाणु उपग्रह-रोधी क्षमता महत्वपूर्ण सुरक्षा चिंताओं को जन्म देती है।
- बहस इस बात को लेकर है कि परमाणु घटक की भूमिका कितनी है और क्या यह मुख्य रूप से ऊर्जा प्रदान करने के लिए है या विस्फोटक हथियार के रूप में है।

निष्कर्ष:

- संभावित रूसी अंतरिक्ष-आधारित उपग्रह-रोधी हथियार की जानकारी वैश्विक उपग्रह बुनियादी अवसंरचना की नाजुकता और अंतरिक्ष के सैन्यीकरण से जुड़े जोखिमों को रेखांकित करता है।
- भूराजनीतिक तनाव के बीच, आरोप और प्रतिक्रियाएं अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरिक्ष में हथियार नियंत्रण की जटिलताओं को उजागर करती हैं।

भारत में लगभग 50% गर्भधारण उच्च जोखिम वाले होते हैं

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित

स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र

मातृ मृत्यु दर

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय।

मुख्य परीक्षा: स्वास्थ्य अवसंरचना और मातृ मृत्यु दर।

प्रसंग:

- भारत में 24,000 से अधिक गर्भवती महिलाओं के डेटा का विश्लेषण करने वाले एक अध्ययन से उच्च जोखिम वाले गर्भधारण की व्यापकता का पता चलता है, जिसमें लगभग 50% महिलाएं प्रभावित होती हैं। उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में योगदान देने वाले कारकों में जन्मों के बीच कम अंतराल, प्रतिकूल जन्म परिणाम और मातृ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं शामिल हैं।

मुख्य निष्कर्ष:

- अध्ययन में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-2021) के डेटा का उपयोग किया गया है और विभिन्न जोखिम कारकों के आधार पर उच्च जोखिम वाले गर्भधारण की पहचान की गई है।
- भारत के पूर्वोत्तर और दक्षिणी राज्यों में, कुछ जनसांख्यिकीय समूहों में, उच्च जोखिम वाली गर्भधारण की उच्च प्रसार दर प्रदर्शित होती है।

जोखिम कारक:

- प्रमुख जोखिम कारकों में जन्मों के बीच कम अंतराल, प्रतिकूल जन्म परिणाम (गर्भ-विफलता, गर्भपात, मृत जन्म), और मातृ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं जैसे अधिक उम्र, छोटा कद और मोटापा शामिल हैं।

- जीवनशैली के कारक जैसे तंबाकू और शराब का सेवन, साथ ही पिछले प्रसव के परिणाम भी उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था में योगदान करते हैं।

क्षेत्रीय असमानताएँ:

- विभिन्न राज्य विशिष्ट जोखिम कारकों की अलग-अलग व्यापकता दर प्रदर्शित करते हैं, जो मातृ स्वास्थ्य में क्षेत्रीय असमानताओं को उजागर करते हैं।
- जन्मों के बीच कम अंतराल, सिजेरियन प्रसव और प्रतिकूल जन्म परिणाम जैसे कारक अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में काफी भिन्न होते हैं।

निहितार्थ और सिफारिशें:

- जन्मों के बीच कम अंतराल उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में योगदान देने वाले एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरा है, जो प्रभावी गर्भनिरोधक और परिवार नियोजन उपायों की आवश्यकता को दर्शाता है।
- जन्मों के बीच कम अंतराल की समस्या का समाधान करने और उच्च जोखिम वाले गर्भधारण से जुड़े खतरों को कम करने के लिए महिलाओं को लक्षित करने वाले जन जागरूकता अभियान और शैक्षिक कार्यक्रमों की सिफारिश की जाती है।

निष्कर्ष:

- अध्ययन भारत में उच्च जोखिम वाले गर्भधारण को संबोधित करने के महत्व को रेखांकित करता है, यह विशेष रूप से जन्मों के बीच कम अंतराल और मातृ स्वास्थ्य जैसे कारकों पर ध्यान केंद्रित करता है।
- क्षेत्रीय असमानताओं और प्रमुख जोखिम कारकों की पहचान करके, नीति निर्माता और स्वास्थ्य सेवा प्रदाता देश भर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए लक्षित हस्तक्षेप विकसित कर सकते हैं।

[एक अलग हरित छटा: तमिलनाडु की नवीकरणीय ऊर्जा पहल](#)

[सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित](#)

[पर्यावरण; नवीकरणीय ऊर्जा](#)

[विषय: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।](#)

[मुख्य परीक्षा: नवीकरणीय ऊर्जा](#)

प्रसंग:

- तमिलनाडु 1986 से नवीकरणीय ऊर्जा में अग्रणी रहा है, पवन ऊर्जा में अग्रणी रहा है तथा सौर और पनबिजली परियोजनाओं का विस्तार कर रहा है। हाल के नीतिगत सुधार और महत्वाकांक्षी लक्ष्य, जैसे कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन का 2050 तक शुद्ध शून्य लक्ष्य, स्थायी ऊर्जा पहल के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं।

तमिलनाडु में नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य:

- तमिलनाडु 1986 से पवन ऊर्जा में अग्रणी रहा है, जिसने खुद को हरित ऊर्जा में एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित किया है।

- सौर ऊर्जा और प्रस्तावित जलविद्युत परियोजनाओं के उद्भव ने राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो में विविधता ला दी है।
- नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं का अन्वेषण करने के लिए एक अलग इकाई, तमिलनाडु हरित ऊर्जा निगम लिमिटेड (TNGECL) का गठन किया गया था।

वर्तमान हरित ऊर्जा उत्पादन क्षमता:

- तमिलनाडु की कुल हरित ऊर्जा उत्पादन क्षमता 34,700 मेगावाट है, जिसमें पवन, सौर, पनबिजली और अन्य सह-उत्पादनों का योगदान है।
- उल्लेखनीय क्षमताओं में पवन ऊर्जा से 10,500 मेगावाट, सौर ऊर्जा से 7,360 मेगावाट और पनबिजली से 600 मेगावाट शामिल हैं।

वर्तमान में जारी परियोजनाएँ और बुनियादी अवसंरचना विकास:

- हरित ऊर्जा पारेषण गलियारों को मजबूत करने के लिए कई जल-विद्युत परियोजनाएं और पहलें चलाई जा रही हैं।
- एक महत्वपूर्ण परियोजना कुंडाह पंप-स्टोरेज जल विद्युत परियोजना है, जिसके 2025-26 तक पूरा होने की उम्मीद है।
- विरुधुनगर में 765-KV सब-स्टेशन के निर्माण जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्देश्य विद्युत निष्क्रमण में सुधार करना है।

सौर ऊर्जा पर फोकस:

- 648 मेगावाट की क्षमता वाली कामुथी सौर परियोजना, सौर ऊर्जा के प्रति तमिलनाडु की प्रतिबद्धता को उजागर करती है।
- रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणालियों को भी बढ़ावा दिया जाता है, उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों के साथ मॉड्यूल की कीमतें कम हो जाती हैं।

नीति सुधार और भविष्य के लक्ष्य:

- मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बिजली क्षेत्र में सुधारों के महत्व पर जोर देते हुए 2050 तक शुद्ध शून्य लक्ष्य की घोषणा की।
- सफलताओं के बावजूद, चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जिनमें ग्रिड सुरक्षा के लिए ताप और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को संतुलित करने की आवश्यकता भी शामिल है।

चुनौतियाँ और सिफारिशें:

- चुनौतियों में उच्च नेटवर्क शुल्क, नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर्स को भुगतान में देरी और पुराने पवन टर्बाइनों को फिर से बिजली देने की आवश्यकता शामिल है।
- सिफारिशों में विशेष ब्याज दरों, पवन ऊर्जा की वार्षिक बैंकिंग और एक विशेष फीड-इन टैरिफ के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहित करना शामिल है।
- पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन में कटौती के प्रबंधन की पहल तमिलनाडु विद्युत नियामक आयोग द्वारा विकसित की जा रही है।

निष्कर्ष:

- तमिलनाडु की नवीकरणीय ऊर्जा पहल सतत ऊर्जा विकास के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है, हालांकि ग्रिड संतुलन और नीति सुधार जैसी चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं।

संपादकीय-द हिन्दू

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. गुलज़ार और संस्कृत विद्वान रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार :

प्रसंग:

- ज्ञानपीठ पुरस्कार, जिसे भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान माना जाता है, दो प्रतिष्ठित हस्तियों को प्रदान किया गया है: गुलज़ार, एक प्रसिद्ध उर्दू कवि और बॉलीवुड हस्ती, तथा जगद्गुरु रामभद्राचार्य, एक प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान और आध्यात्मिक नेता।

महत्व:

- ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रतिष्ठित है और भारतीय साहित्य में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए 1965 से प्रदान किया जा रहा है।
- कविता, फिल्म निर्देशन और लेखन में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाने वाले गुलज़ार को अपने पूरे करियर में कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें साहित्य अकादमी पुरस्कार, दादा साहब फाल्के पुरस्कार और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार शामिल हैं।
- बहुभाषाविद् और विपुल लेखक जगद्गुरु रामभद्राचार्य को संस्कृत साहित्य और हिंदू समुदाय के भीतर आध्यात्मिक नेतृत्व में उनके व्यापक योगदान के लिए जाना जाता है।

प्रमुख बिंदु:

- संपूर्ण सिंह कालरा के नाम से जन्मे गुलज़ार अपनी कविता, फिल्म निर्देशन और बाल साहित्य में योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं।
- उन्हें पद्म भूषण जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं, और फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर के उनके गीत "जय हो" ने ऑस्कर और ग्रैमी दोनों जीते।
- जगद्गुरु रामभद्राचार्य, एक सम्मानित आध्यात्मिक नेता और 240 से अधिक पुस्तकों के लेखक, संस्कृत में अपनी विशेषज्ञता और मध्य प्रदेश के चित्रकूट में तुलसी पीठ के प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं।
- ज्ञानपीठ पुरस्कार में नकद पुरस्कार, एक प्रतिमा और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है और इस वर्ष यह दूसरी बार संस्कृत के लिए और पांचवीं बार उर्दू के लिए प्रदान किया जा रहा है।

निष्कर्ष:

- ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए गुलज़ार और जगद्गुरु रामभद्राचार्य का चयन भारतीय साहित्य और संस्कृति में उनके महत्वपूर्ण योगदान की मान्यता को रेखांकित करता है।
- उनकी विविध प्रतिभाएं और अपने-अपने क्षेत्रों में गहरा प्रभाव भारत के साहित्यिक परिदृश्य की समृद्धि और विविधता को उजागर करता है, जो उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान के योग्य प्राप्तकर्ता बनाता है।

2. INSAT-3DS मौसम उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया

प्रसंग:

- GSLV-F14 ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से INSAT-3DS मौसम उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया।

महत्व:

- सफल प्रक्षेपण इसरो के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, विशेष रूप से GSLV कार्यक्रम के लिए, जिसने अतीत में विफलताओं का अनुभव किया है।
- INSAT-3DS उपग्रह मौसम संबंधी अवलोकन, मौसम पूर्वानुमान और आपदा चेतावनी क्षमताओं को बढ़ाएगा।

प्रमुख बिंदु:

- GSLV-F14 ने प्रक्षेपण के लगभग 18 मिनट बाद INSAT-3DS उपग्रह को इच्छित भू-तुल्यकालिक स्थानांतरण कक्षा में स्थापित किया।
- INSAT-3DS एक अनुवर्ती मिशन है जिसे उन्नत मौसम संबंधी अवलोकनों, भूमि और महासागर सतहों की निगरानी और आपदा प्रबंधन के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- उपग्रह मौजूदा INSAT-3D और INSAT-3DR उपग्रहों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में वृद्धि करेगा।
- GSLV कार्यक्रम, जिसे पिछली विफलताओं के कारण एक समय भारतीय अंतरिक्ष का "नॉटी बॉय" माना जाता था, एक विश्वसनीय और मजबूत प्रक्षेपण यान के रूप में परिपक्व हो गया है।
- इस मिशन की सफलता आने वाले महीनों में निर्धारित नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (NISAR) उपग्रह के प्रक्षेपण से पहले इसरो के आत्मविश्वास को बढ़ाती है।

निष्कर्ष:

- GSLV-F14 द्वारा INSAT-3DS का सफल प्रक्षेपण उपग्रह परिनियोजन में इसरो की क्षमता को रेखांकित करता है और वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय में इसकी स्थिति को मजबूत करता है।
- GSLV कार्यक्रम द्वारा प्रदर्शित परिपक्वता और विश्वसनीयता अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निरंतर सुधार और उत्कृष्टता के प्रति इसरो की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- NISAR उपग्रह के आगामी प्रक्षेपण ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष अभियानों में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में इसरो की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है।

3. सरकार ने FCI की अधिकृत पूंजी दोगुनी से अधिक बढ़ाकर ₹21,000 करोड़ कर दी

प्रसंग:

- सरकार ने भारतीय खाद्य निगम (FCI) की अधिकृत पूंजी ₹10,000 करोड़ से बढ़ाकर ₹21,000 करोड़ कर दी है।

महत्व:

- अधिकृत पूंजी में वृद्धि का उद्देश्य FCI की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाना, ब्याज का बोझ कम करना और सरकारी सब्सिडी पर सकारात्मक प्रभाव डालना है।
- यह भंडारण सुविधाओं के आधुनिकीकरण, परिवहन नेटवर्क में सुधार और उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने की सुविधा प्रदान करेगा।

प्रमुख बिंदु:

- FCI किसानों के हितों की रक्षा के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खाद्यान्न की खरीद और कल्याणकारी योजनाओं के लिए रणनीतिक स्टॉक बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है।
- अधिकृत पूंजी में वृद्धि से नकद ऋण और अल्पकालिक ऋण की आवश्यकता कम हो जाएगी, जिससे ब्याज लागत कम होगी और सब्सिडी प्रबंधन में सुधार होगा।
- FCI ने भंडारण सुविधाओं को आधुनिक बनाने, परिवहन में सुधार करने और कटाई के बाद के नुकसान को कम करने और कुशल खाद्य वितरण सुनिश्चित करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने की योजना बनाई है।
- सरकार कार्यशील पूंजी और परिसंपत्ति निर्माण के लिए FCI को इक्विटी प्रदान करती है, और FCI परिचालन दक्षता के लिए एकीकृत IT प्रणाली लागू कर रही है।
- ई-ऑफिस कार्यान्वयन जैसी पहल का उद्देश्य एक कागज रहित कार्यालय संस्कृति निर्मित करना और एक सामान्य डिजिटल आधार के साथ कार्यों को सुव्यवस्थित करना है।
- FCI ने दक्षता बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं, जिसमें बुनियादी अवसंरचना उन्नयन, प्रयोगशाला उपकरण खरीद और गुणवत्ता की जाँच के लिए सॉफ्टवेयर विकास शामिल हैं।
- MSP-आधारित खरीद और FCI की परिचालन क्षमताओं में निवेश के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता किसानों को सशक्त बनाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति उसके समर्पण को रेखांकित करती है।

निष्कर्ष:

- FCI की अधिकृत पूंजी में वृद्धि खाद्य वितरण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और किसानों को समर्थन देने के सरकार के प्रयासों को दर्शाती है।
- आधुनिकीकरण और दक्षता पहल में निवेश करके, FCI का लक्ष्य खाद्यान्न प्रबंधन में सुधार करना और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों में योगदान करना है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित समाचार उपलब्ध नहीं हैं।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. प्रधानमंत्री-जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान योजना के बारे में निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए:

1. यह योजना विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) को छोड़कर अनुसूचित जनजातियों के लिए बनाई गई है।
2. प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) 9 संबद्ध मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं??

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

कथन 1 गलत है: विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए प्रधान मंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन)।

कथन 2 सही है: पीएम-जनमन (केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित योजनाओं को मिलाकर) जनजातीय मामलों के मंत्रालय सहित 9 मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

प्रश्न 2. चिल्ला-ए-कलां शब्द से आप क्या समझते हैं?

- (a) यह एक प्रकार का भोजन है जो मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर के आदिवासी लोगों द्वारा खाया जाता है।
- (b) यह जम्मू-कश्मीर में 40 दिनों की सबसे कठोर शीत ऋतु की अवधि होती है।
- (c) यह जम्मू-कश्मीर में पहना जाने वाला शीतकालीन परिधान है।
- (d) यह हिमाचल प्रदेश के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला एक त्योहार है।

उत्तर: (b)

व्याख्या: 'चिल्ला-ए-कलां' 40 दिनों की सबसे कठोर सर्दियों की अवधि होती है जब क्षेत्र में शीत लहर चलती है और तापमान काफी गिर जाता है, जिससे यहाँ की प्रसिद्ध डल झील सहित जलस्रोत जम जाते हैं, साथ ही घाटी के कई हिस्सों में जल आपूर्ति लाइनें भी जम जाती हैं।

प्रश्न 3. UNSC वीटो के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. एक अनौपचारिक "कॉफी क्लब", जिसमें लगभग 40 सदस्य देश शामिल हैं, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों को रोकने के लिए जिम्मेदार रहा है।
2. क्लब के प्रमुख समर्थकों में इटली, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना और पाकिस्तान शामिल हैं।
3. इटली और स्पेन सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए जर्मनी के दावे का विरोध कर रहे हैं, पाकिस्तान भारत के दावे का विरोध कर रहा है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

कथन 1 सही है: एक अनौपचारिक "कॉफी क्लब", जिसमें लगभग 40 सदस्य देश शामिल हैं, ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कथन 2 सही है: कॉफी क्लब के प्रमुख समर्थकों में इटली, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना और पाकिस्तान शामिल हैं। ये देश वीटो प्रणाली में बदलाव सहित UNSC में सुधारों पर जोर देने के लिए एक साथ आए हैं।

कथन 3 सही है: इटली और स्पेन वास्तव में सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए जर्मनी के दावे का विरोध करते हैं, और पाकिस्तान भारत के दावे का विरोध करता है। ये रुख उनके राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय गतिशीलता को दर्शाते हैं।

प्रश्न 4. सेरेन्गेटी से आप क्या समझते हैं?

- (a) यह अफ्रीका का एक भौगोलिक क्षेत्र है
- (b) यह आस्ट्रेलिया की स्थानीय पवन है
- (c) यह चिली की सबसे बड़ी तांबे की खदान है
- (d) यह कनाडा का सबसे बड़ा राज्य है

उत्तर: (a)

व्याख्या: सेरेन्गेटी एक भौगोलिक क्षेत्र है जो अफ्रीका में स्थित है, मुख्य रूप से उत्तरी तंजानिया में और यह दक्षिण-पश्चिमी केन्या तक फैला हुआ है। यह दुनिया के सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित वन क्षेत्रों में से एक है, जो अपने विशाल सवाना मैदानों, विविध वन्य जीवन और लाखों जंगली जानवरों, जेब्रा और अन्य शाकाहारी जानवरों के शानदार वार्षिक प्रवास के लिए प्रसिद्ध है।

सेरेन्गेटी पारिस्थितिकी तंत्र में तंजानिया में सेरेन्गेटी राष्ट्रीय उद्यान, साथ ही कई अन्य संरक्षित क्षेत्र और रिजर्व शामिल हैं। यह वन्यजीवों की एक विस्तृत विविधता का घर है, जिसमें "बिग फाइव" (शेर, तेंदुआ, हाथी, भैंस और गैंडा) के साथ-साथ स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृपों की कई अन्य प्रजातियां शामिल हैं।

"सेरेन्गेटी" नाम मसाई भाषा से लिया गया है, विशेष रूप से "सिरिंगेट" शब्द से, जिसका अर्थ है "अंतहीन मैदान।" यह नाम उस विशाल घास के मैदान का सटीक वर्णन करता है जो इस क्षेत्र की विशेषता है, जो इसे वन्यजीवों के लिए एक प्रमुख आवास और दुनिया भर के पर्यटकों और वन्यजीवों के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बनाता है।

प्रश्न 5. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए:

1. रॉयल इंडियन नेवी में विद्रोह
2. भारत छोड़ो आन्दोलन की शुरुआत
3. दूसरा गोलमेज़ सम्मेलन

उपर्युक्त घटनाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम क्या है?

- (a) 1-2-3
- (b) 2-1-3
- (c) 3-2-1
- (d) 3-1-2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- द्वितीय गोलमेज़ सम्मेलन: यह सम्मेलन सितम्बर 1931 में हुआ।
- भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत: महात्मा गाँधी ने अगस्त 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया।
- रॉयल इंडियन नेवी में विद्रोह: रॉयल इंडियन नेवी में विद्रोह फरवरी 1946 में हुआ।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. शुद्ध-शून्य की ओर भारत की यात्रा तब तक आसान नहीं हो सकती जब तक कि स्थापना (इनस्टॉलेशन) की लागत में उल्लेखनीय कमी नहीं लाई जाती। क्या आप सहमत हैं? विश्लेषण कीजिए। ([India's march towards net-zero can't be a smooth ride unless the cost for installation is brought down significantly. Do you agree? Analyze.](#))

(15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-3, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी]

प्रश्न 2. मातृ मृत्यु दर महिला कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का एक प्रमुख संकेतक है। इस संदर्भ में, मातृ मृत्यु दर में सुधार के लिए भारत सरकार द्वारा की गई पहलों पर प्रकाश डालिए। ([Maternal mortality rate is a key indicator of government's commitment towards women's](#))

welfare. In this context, highlight initiatives by the government of India to improve maternal mortality rate.)

(10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, सामाजिक न्याय]

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)

